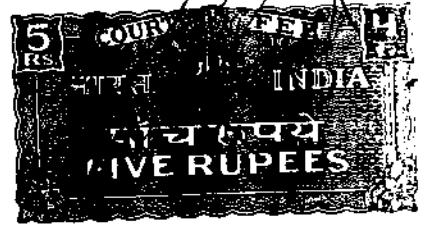


CF 152



न्यायालयमाननीय राजस्व मण्डल, म० प्र० ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक 1294-III/2006
श्री शिवप्रसाद प्रसाद, उ०
18/8/06

2006 निगरानी

शम्भिकाप्रसाद पुत्र श्री रामतेलावन ब्रा०
निवासी ग्राम पतौरा, तहसील नागोद
उचेहरा, जिला सतना, म० प्र० -- प्राथी
विहद

श्री शिवप्रसाद पुत्र श्री रामसिया ब्रा०
साकिन पतौरा, तहसील उचेहरा, जिला
सतना, म० प्र० -- प्रतिप्राथी

शिवप्रसाद
9-2-408

निगरानी विहद आदेश अर आयुक्त महोदय, रोवा सुभाग, दिनांक
3-05-2006 अन्तर्गत धारा 40 म० प्र० मू राजस्व संहिता, 1858 ।
प्रकरण क्रमांक 79/2002-2003 अपील ।

श्रीमान,

निगरानी का आवेदन पत्र निम्नानुसार प्रस्तुत है :-

- (1) यह कि अपीलीय न्यायालयों की आज्ञायें कानूनन सही नहीं हैं ।
- (2) यह कि अपीलीय न्यायालयों ने प्रकरण के स्वरूप एवं कानूनी स्थिति को सही नहीं समझा ।
- (3) यह कि अपीलीय न्यायालयों के समझा प्राथी को और से जा आपत्तिया उठाई गई थी उन पुर समुचित विचार किये बिना आदेश देने में मूल त्रुटि है ।
- (4) यह कि तहसील न्यायालय की आज्ञा सत्त्वति के आधार पर पारित की गई थी । कानूनन सत्त्वति की आज्ञा के विहद अपील वर्जित है इस कानूनी स्थिति पर विचार किये बिना आदेश देने में मूल त्रुटि है ।
- (5) यह कि अनुविभागीय अधिकारी महोदय के समझा प्रतिप्राथी की और

श्री
वि

M

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक. R-1494-III/06 जिला सतना

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
<p>1/8/16</p>	<p>आवेदन आदि 1000-1500 के अंतर्गत 3000 आवेदन आदि के अंतर्गत में कहा है कि- अधीनस्थ न्यायालय में आवेदन के विवेक-रूपमा धारा-5 के आवेदन पर-विना-सुने एवं साक्ष्य का अवलोकन नहीं किया गया है और- विना सुने ही धारा-5 का आवेदन गिराव कर दिया गया है।</p> <p>अतः उक्त अवधि में आवेदन गिराव है कि प्रकरण के धारा-5 का आवेदन-लीटिंग-गिराव जाकर प्रकरण का निरस्तण प्रतीक प्रकृत किया जावे।</p> <p>इ- प्रकरण का अवलोकन किया गया अतः अधीनस्थ न्यायालय-का आदेश सही है अतः उक्त प्रकरण के आवेदन गिराव है प्रकरण की खराल समाप्त किया जाता है।</p> <p style="text-align: right;">[हस्ताक्षर]</p>	<p>[हस्ताक्षर]</p>

M